श्रीसोमनाथ-संस्कृत-युनिवर्सिटी

(राष्ट्रिय-मूल्याङ्कन-प्रत्यायन-परिषदा 'ए+' श्रेण्या प्रत्यायितः)

राजेन्द्रभुवनमार्गः, वेरावलम्-३६२२६६ (गुजरातम्)

श्रीसोमनाथ-संस्कृत-विश्वविद्यालयस्य IQAC, अनुस्नातकविभागः तथा च
विश्वविद्यालय-सञ्चालित-संस्कृतमहाविद्यालयः इत्येतेषां संयुक्ततत्त्वावधाने आयोजिता

अन्ताराष्ट्रिय-ज्योतिष-वेबिनार
International Jyotish Webinar

आधुनिकपरिप्रेक्ष्ये संहितास्कन्धस्य प्रासंगिकता

(Relevance of Samhita Skanda in the Modern Perspective)

संशोधित दिनांक – 29.03.2023

प्रधानपरामर्शकः

डॉ. ललितकुमारपटेलः

कुलपतिः (का.), श्रीसोमनाथ-संस्कृत-विश्वविद्यालयः, वेरावलम्

आयोजकः	*आमन्त्रकः*
डॉ. नरेन्द्रकुमारपंड्या **प्राचार्यः, विश्वविद्यालय-सञ्चालितः** **संस्कृतमहाविद्यालयः, वेरावलम्**	**डॉ. दशरथजादवः** कुलसचिवः, श्रीसोमनाथ-संस्कृत-विश्वविद्यालयः, वेरावलम्

संयोजकाः

अपूर्वा अग्रवालः	**डॉ. नित्यानन्दः ओझा**	**डॉ. रमेशचन्द्रशुक्लः**
सहायिकाचार्या, ज्योतिष-विभागः	सहायकाचार्यः, ज्योतिषविभागः	सहायकाचार्यः, ज्योतिषविभागः

श्रीसोमनाथ-संस्कृत-युनिवर्सिटी

राजेन्द्र –भुवनमार्गः, वेरावलम्-३६२२६६(गुजरातराज्यम्)

Website: www.sssu.ac.in Webinar Email: jyotish.sssu@gmail.com

पंजीकरणम् –

https://forms.gle/m3xAj9RRNJDixzAA6

ज्योतिष-विषयक अन्तर्राष्ट्रीय वेबिनार

आधुनिकपरिप्रेक्ष्ये संहितास्कन्धस्य प्रासंगिकता

माननीय महोदय/महोदया,

नमस्कार! सुरम्य सौराष्ट्र प्रदेश में स्थित श्रीसोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय संस्कृत शास्त्रों एवं भाषा के पठन-पाठन हेतु सन् २००६ से निरन्तर कार्यरत है। जिसके फलस्वरूप राष्ट्रिय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (NAAC) द्वारा इस विश्वविद्यालय को 'A+' श्रेणी में सम्मिलित किया है। शास्त्रों में उत्कृष्ट संशोधन को प्रोत्साहित करने हेतु विश्वविद्यालय समय-समय पर भारत के मूर्धन्य विद्वानों को आमन्त्रित कर परिसंवादों एवं संगोष्ठिओं का आयोजन करता रहता है। विश्वविद्यालय के अनुस्नातक विभाग एवं विश्वविद्यालय सञ्चालित संस्कृत कॉलेज के ज्योतिषविभाग के संयुक्त उपक्रम में दिनांक **29-03-2023** को "**आधुनिकपरिप्रेक्ष्ये संहितास्कन्धस्य प्रासङ्गिकता**" विषय पर एक अन्तर्राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किया जा रहा है।

इस महत्वपूर्ण विषय में शोधपूर्ण विमर्श के द्वारा समाज को लाभान्वित करने हेतु ज्योतिष विभाग, श्री सोमनाथ संस्कृत युनिवर्सिटी के द्वारा इस सत्र में भी "**आधुनिकपरिप्रेक्ष्ये संहितास्कन्धस्य प्रासङ्गिकता**" विषय में संगोष्ठी प्रस्तावित है। दिङ्निर्देशार्थ इसमें प्रस्तोतव्य विषय निम्नलिखित हो सकते हैं –

- आधुनिक काल में वास्तुशास्त्र की प्रासंगिकता
- प्राकृतिक उत्पात विमर्श
- ग्रहचार विमर्श
- शकुन विमर्श
- वृक्षायुर्वेद
- वर्षाज्ञान
- वस्तुओं की मूल्य वृद्धि एवं ह्रास का विमर्श आदि संहिता ज्योतिष के विभिन्न विषय

मुख्य विषय से सम्बद्ध अन्य विषयों में भी पत्र प्रस्तुत किये जा सकते हैं।

संगोष्ठी के विषय में आवश्यक सूचनाएँ –

- इस वेबिनार में प्रतिभागी के रूप में शोध छात्र एवं प्राध्यापक भाग ग्रहण कर सकते हैं।
- इस वेबिनार में अपना शोध पत्र प्रस्तुत करने के इच्छुक विद्वानों से निवेदन है, कि वे 20.03.2023 तक निम्नलिखित गूगल लिंक पर अपना सामान्य विवरण देकर अपना पंजीकरण करें – https://forms.gle/m3xAj9RRNJDixzAA6
- पंजीकरण पत्र में अपने शोध पत्र का विषय तथा अति संक्षिप्त सार अधिकतम 150 शब्दों में प्रस्तुत करना होगा।

- इस वेबिनार में शोधपत्रवाचकों के लिए पंजीकरण शुल्क 50/- निर्धारित किया गया है। श्रोता के रूप में भाग ग्रहण करने वाले लोगों के लिए पंजीकरण निःशुल्क है।
- पंजीकरण शुल्क प्रदान करने हेतु दी गयी लिंक पर क्लिक करें- https://easypay.axisbank.co.in/easyPay/makePayment?mid=MzYwMDc=
- शुल्क प्रदान करने के लिए दिये हुए लिंक में जाकर Type of Fees के अन्तर्गत Other Fee का चयन करें एवं Remark में अन्तर्राष्ट्रीय ज्योतिष वेबिनार दर्शनाएँ।
- शुल्क प्रदान करके शुल्क पत्र की PDF/Screenshot गूगल फॉर्म में अपलोड करें।
- वेबिनार 'वेबेक्स' (Cisco WebEx) एप्लिकेशन द्वारा सञ्चालित किया जायेगा । आपके ई-मेल में वेबिनार से जुडने हेतु लिंक भेजा जायेगा।
- इस वेबिनार में प्रस्तुत होने वाले शोध पत्र E-ISBN से युक्त ई-पुस्तक के रूप में प्रकाशित किये जायेंगे।
- शोध पत्र प्रस्तोताओं को ई-मेल द्वारा ई-प्रमाण पत्र भेजा जायेगा।
- शोध पत्र की प्रस्तुति संस्कृत/ /हिन्दी/ अंग्रेजी में की जा सकती है।
- **शोधपत्र सम्बन्धित जानकारी-**
  i. प्रतिभागियों को वेबिनार से पूर्व दिनांक 25.03.2023 तक अपना सम्पूर्ण शोध पत्र jyotish.sssu@gmail.com पर युनिकोड में टाईप कर के भेजना अनिवार्य है।
  ii. देवनागरी में लिखे हुए शोध पत्रों को एरियल युनिकोड (फोंट साईज 14) में तथा अंग्रेजी में लिखे हुए पत्रों को टाईम्स न्यू रोमन (फोंट साईज 12) में टाईप करना होगा।
  iii. शोधपत्र में 6-8 पृष्ठ अपेक्षित हैं किन्तु शोधपत्र में 3000 शब्द से अधिक नहीं होने चाहिये।
- इस वेबिनार से संबंधित अधिक जानकारी के लिए संयोजकों से सम्पर्क किया जा सकता है –

अपूर्वा अग्रवाल– 8770064783 डॉ. नित्यानन्द ओझा–7408049488 डॉ. रमेशचन्द्र शुक्ल- 9913701901

श्रीसोमनाथ-संस्कृत-युनिवर्सिटी

राजेन्द्र भुवन मार्ग, वेरावल-३६२२६६ (गुजरात)

Website: www.sssu.ac.in Email: jyotish.sssu@gmail.com